



1

भाषा (Language)



इस बार फ़सल तो बहुत
बढ़िया हुई है।



हाँ भाई! इस बार परिश्रम
भी तो बहुत किया था।



ऊपर दिए गए चित्रों से पता चलता है कि हम अपने विचारों को दो तरह से प्रकट कर सकते हैं और दूसरे भी उन्हें दो ही तरह से समझ सकते हैं।

○ एक बोलता है और दूसरा सुनता है।
अर्थात्
बोलकर और सुनकर

○ एक लिखता है और दूसरा पढ़ता है।
अर्थात्
लिखकर और पढ़कर

हम अपने मन के विचारों को बोलकर या लिखकर प्रकट करते हैं और दूसरे उन्हें सुनकर या पढ़कर समझते हैं। विचारों के आदान-प्रदान का यही माध्यम भाषा कहलाता है।

सांकेतिक भाषा— बने हुए संकेतों को समझना और खुद संकेत करके अपनी बात दूसरों को समझाना।



बने हुए संकेतों को समझना



संकेत करके समझाना

- पशु-पक्षी भी अपनी आवाज़ में बोलते हैं।
 - ये आपस में अपनी बात समझ लेते हैं।
 - लेकिन हम उनकी आवाज़ों को समझ नहीं पाते।
- इस प्रकार हम कह सकते हैं कि—

संकेतों या इशारों द्वारा मन की बातें भाषा नहीं, इसे संकेत भाषा कहा जाता है।
व्याकरण संकेतों को भाषा की मान्यता नहीं देता।

भाषा के रूप— भाषा के दो रूप हैं—

1. मौखिक भाषा
2. लिखित भाषा

1. मौखिक भाषा— भाषा के जिस रूप में हम अपने विचारों को **बोलकर** दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरों के विचारों को **सुनकर** समझते हैं, उसे **मौखिक भाषा** कहते हैं; जैसे— भाषण, बातचीत, समाचार बोलना, गीत गाना आदि।

बच्चों! हर वर्ष
14 सितंबर को हम
'हिंदी दिवस' मनाते हैं।



2. लिखित भाषा- भाषा के जिस रूप में हम अपने विचारों को लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरों के विचारों को पढ़कर समझते हैं, उसे लिखित भाषा कहते हैं; जैसे- किताब, समाचार-पत्र, पत्र, मोबाइल संदेश आदि।

भाषाएँ- संसार में अनेक भाषाएँ बोली और लिखी जाती हैं; जैसे-



इंग्लैंड में अंग्रेज़ी



चीन में चीनी



जापान में जापानी

बच्चो, हमारे देश भारतवर्ष के बहुत से राज्यों में हिंदी भाषा बोली और लिखी जाती है, इसलिए हमारी राजभाषा हिंदी है। भारत के बहुत से राज्यों में हिंदी भाषा के साथ-साथ दूसरी भाषाएँ भी बोली जाती हैं; जैसे-



महाराष्ट्र में मराठी



पंजाब में पंजाबी



बंगाल में बंगाली



केरल में मलयालम

लिपि- अलग-अलग भाषा को अलग-अलग तरीके से लिखा जाता है। भाषा को लिखने का यह तरीका ही लिपि कहलाता है।

- जिस तरह हर जगह और देश की अलग भाषा है।
- उसी तरह हर भाषा को लिखने की लिपि भी अलग-अलग हैं; जैसे-

हिंदी, मराठी और गुजराती – देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं; जैसे– अध्यापक

पंजाबी – गुरुमुखी लिपि में लिखी जाती है; जैसे– ਅਧਿਆਪਕ (अध्यापक)

उर्दू – फ़ारसी लिपि में लिखी जाती है; जैसे– استاد (अध्यापक)

इसी तरह,

अंग्रेज़ी – रोमन लिपि में लिखी जाती है; जैसे– Teacher (अध्यापक)

यह भी जानो–

- भाषा को जब हम सही तरीके से लिखेंगे-पढ़ेंगे-बोलेंगे, तभी दूसरे उसका सही अर्थ समझ सकेंगे।
- भाषा को सही तरीके से सीखने के लिए कुछ नियम बनाए गए हैं।
- इन नियमों को हम व्याकरण में सीखते हैं।
व्याकरण में हम भाषा को सही तरीके से नियमों के अनुसार लिखना-पढ़ना-बोलना सीखते हैं।

हमने जाना

- ✿ मन की बात कहने और समझने का साधन भाषा कहलाती है।
- ✿ किसी भी भाषा के दो रूप होते हैं–1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा
- ✿ सांकेतिक भाषा – बने हुए संकेतों को समझना और अपनी बात संकेतों के द्वारा समझाना।
- ✿ पशु-पक्षियों की आवाज़ों को बोली कहते हैं।
- ✿ लिखने का तरीका लिपि कहलाता है।
- ✿ हमारी राजभाषा हिंदी है।

अभ्यास

सही विकल्प पर सही का चिह्न (✓) लगाइए–



(क) अपनी बात संकेत द्वारा समझाना _____ एक उदाहरण है।

- ☐ (i) लिखित भाषा का ☐ (ii) मौखिक भाषा का ☐ (iii) सांकेतिक भाषा का

(ख) हिंदी भाषा कौन-सी लिपि में लिखी जाती है?

- ☐ (i) देवनागरी ☐ (ii) फारसी ☐ (iii) गुरुमुखी

(ग) 'लिपि' क्या है?

- ☐ (i) बोलने का तरीका ☐ (ii) लिखने का तरीका ☐ (iii) सीखने का तरीका

(घ) भारत की राजभाषा है–

- ☐ (i) अंग्रेज़ी ☐ (ii) हिंदी ☐ (iii) संस्कृत

2 * सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरिए—



लिपि, अनेक, हिंदी, मलयालम, भाषा

- (क) हम अपने विचारों को दूसरों तक पहुँचाने के लिए _____ का प्रयोग करते हैं।
 (ख) केरल में _____ भाषा बोली जाती है।
 (ग) किसी भी भाषा को लिखने का तरीका _____ कहलाता है।
 (घ) हमारी राजभाषा _____ है।
 (ङ) संसार में _____ भाषाएँ बोली जाती हैं।

3 * निम्न भाषाओं की लिपियाँ लिखिए—



- (क) हिंदी _____ (ख) पंजाबी _____
 (ग) संस्कृत _____ (घ) अंग्रेज़ी _____
 (ङ) उर्दू _____ (च) बांग्ला _____

4 * नीचे दिए गए वर्ग में भारत में बोली जाने वाली आठ भाषाओं के नाम छिपे हैं, उन्हें ढूँढ़कर लिखिए—



| | | | | | | |
|-----|----|----|----|----|----|----|
| में | पं | जा | बी | मी | त | नी |
| ते | चा | म | ल | या | ल | म |
| लु | त | मि | ल | टा | चि | क |
| गु | ज | रा | ती | क | हि | मा |
| दि | गा | बं | गा | ली | चि | मि |
| अ | स | मी | क | श | मी | री |
| म | रा | ठी | पा | हि | ना | च |

गतिविधि



प्रत्येक विद्यार्थी से कहें कि वे अपने माता-पिता से उनकी बोली जाने वाली भाषा, लिपि और राज्य (जिससे वे संबंधित है) लिखवाकर लाएँ; जैसे— विद्यार्थी यदि पंजाबी है, तो भाषा-पंजाबी, लिपि-गुरुमुखी और राज्य-पंजाब होगा। इस प्रकार सभी विद्यार्थी अपने तथा अपने साथियों के राज्य, भाषा और लिपि के बारे में जान पाएँगे।